सफल सचित्र कहानियां

उ0प्र0 कृषि विविधीकरण परियोजना
जनपद-शाहजहांपुर

कार्यदायी संस्था

सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च

एस-4, द्वित्तीय तल, करामत काम्प्लेक्स, निशातगंज, लखनऊ-226006

फोनः 0522-2334725, 9415301044

ई-मेलः sirworld@rediffmail.com

बेवसाइडः www.sirworld.org

सफल भिण्डी की खेती

जनपद-शाहजहांपुर से लगभग 32 किलोमीटर दूर स्थित विकास क्षेत्र जलालाबाद है। यह एक कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां से लगभग 3 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम-अकाखेड़ा है, जो अत्यन्त पिछड़ा क्षेत्र है। जहां सुविधा के नाम पर केवल एक सरकारी विद्यालय हैं। गांव तक पहुंचने के लिए सड़क का निर्माण हो रहा है। यहां के किसान परम्परागत ढंग से खेती करते है। जिसमें मुख्य रूप से गेहूं धान की ही खेती की जाती है। इससे उनका किसी तरह से अनाज खाने के लिए तो हो जाता है, लेकिन अन्य शाक-सब्जी, फल आदि की पूर्ति नहीं हो पाती है।

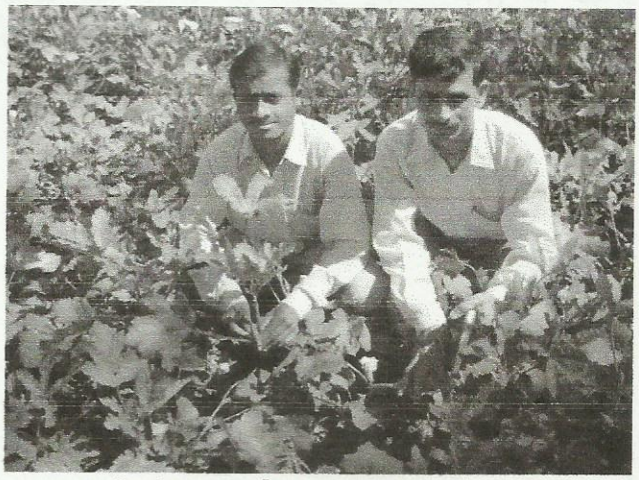

कृषि के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए एवं किसानों की समस्याओं के निवारण हेतु सरकार द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत जनपद-शाहजहांपुर में सामाजिक संस्था 'सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च' लखनऊ के प्रतिनिधियों के द्वारा ग्राम-अकाखेड़ा का भ्रमण करके वहां के किसानों से कृषि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करते हुए यह पता लगाया कि गांव में कृषि उत्पादन अत्यन्त ही पिछड़ा है। उनके अनुसार यहां के किसानों का भरण पोषण अत्यन्त कठिनाई से होता है।

संस्था के प्रतिनिधियों ने गांव में किसानों की एक सामूहिक बैठक का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने कृषि विविधीकरण परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कृषि विधियां जैसे खेत की तैयारी, समय से बुआई, निराई गुड़ाई एवं सिचाई आदि के बारे में बताया। उक्त योजना के उद्यान घटक के अन्तर्गत किसानों को सब्जी उत्पादन हेतु जानकारी देते हुए सब्जी उत्पादन के महत्व के बारें में किसानों को बताया गया। जिससे प्रेरित होकर स्थानीय किसान श्री अनोखेलाल ने

भिण्डी की खेती करने का निश्चय किया। संस्था के प्रतिनिधियों ने श्री अनोखेलाल को भिण्डी का बीज तथा खाद उपलब्ध कराई तथा भिण्डी की खेती के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। संस्था के प्रतिनिधि द्वारा बतायी गई विधियों से श्री अनोखेलाल ने भिण्डी की खेती प्रारम्भ की। जिससे उनके यहां भिण्डी का उत्पादन काफी बढ़कर लगभ 15 से 20 किलो प्रतिदिन की दर से हो रहा है। जिसे वे स्थानीय बाजार में बेचकर आय प्राप्त कर रहें तथा उनके परिवार में भी हरी सब्जी खाने के लिए उपलब्ध हो रही है। इससे प्रेरित होकर गांव के अन्य किसानों ने भी भिण्डी का सफल उत्पादन करके अपनी आय में वृद्धि करने का प्रयास कर रहे है।

कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत संस्था के प्रतिनिधियों एवं डी0पी0सी0 के मार्गदर्शन में ग्राम-अकाखेड़ा के किसानों में सब्जी की खेती एवं योजना के अन्य कार्यक्रमों को करने की जागरूकता पैदा हुई है, तथा किसानों में आत्मविश्वास भी काफी बढ़ा है।

तोरई की खेती

जनपद-शाहजहांपुर से लगभग 48 किलोमीटर दूर स्थित विकास क्षेत्र बण्डा है। जो कि कृषि प्रधान क्षेत्र है तथा उद्योग के हिसाब से अत्यन्त पिछड़ा है। बण्डा ब्लाक से लगभग 6 किलोमीटर दूरी पर स्थित ग्राम-भितियाश्याम है, यहां के किसान कृषि के क्षेत्र में अत्यन्त पिछड़े है एवं यहां के अधिकाश किसान मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहे है। गांव में कृषि की जोत छोटी है जिससे किसान अनाज वर्गीय फसलों की ही खेती करते है। अन्य फलों एवं सब्जी की खेती से अनभिज्ञ है।

सरकार द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत जनपद-शाहजहांपुर में सामाजिक संस्था 'सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च' लखनऊ के प्रतिनिधियों के द्वारा ग्राम- भितियाश्याम में किसानों से सम्पर्क करके पूरे गांव की जानकारी ली गई जिससे यह पता चला कि गांव में सब्जी का उत्पादन बहुत कम है तथा किसानों में सब्जी उत्पादन के प्रति झुकाव कम है।

संस्था के प्रतिनिधि के द्वारा गांव के किसानों की बैठक करके योजना के बारे में विस्तृत चर्चा की तथा बार-बार सम्पर्क करके लोगों में सब्जी उत्पादन के लिए जागरूकता पैदा किया गया। जिससे प्रेरित होकर गांव के किसान श्री हीरालाल ने तोरई की खेती प्रारम्भ करने का निश्चय किया। संस्था के प्रतिनिधि ने उद्यान विभाग जनपद-शाहजहांपुर से तोरई का बीज एवं खाद श्री हीरालाल को उपलब्ध कराया, तथा उनके 0.1 हे0 खेत में तोरई की बुआई में भी सहयोग प्रदान किया। हीरालाल ने कृषि के बारे

में बताई गयी विधियों का पालन समय-समय पर निराई, सिंचाई आदि के रूप में किया। जिससे अब उनके खेत से तोरई का उत्पादन लगभग 22 से 25 किलो प्रतिदिन हो रहा है। जिससे उनके परिवार में हरी सब्जी खाने के लिए उपलब्ध है, साथ ही साथ स्थानीय बाजार में बिक्री कर अधिक आय भी प्राप्त कर रहें हैं। इस प्रदर्शन से उनके परिवारीजन बड़े उत्साहित हैं तथा खेती के कार्य में लगे हैं। इससे प्रेरित होकर गांव के अन्य किसानों में भी सब्जी उत्पादन के प्रति जागरूकता पैदा हुई है। गांव के अन्य किसानों ने भी उद्यान विभाग से भिन्डी एवं तोरई के बीज संस्था के प्रतिनिधि के माध्यम से प्राप्त कर भिण्डी एवं तोरई का सफल उत्पादन प्रारम्भ कर दिया है।

कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत श्री एम0आई0खान (डी.पी.सी) एवं संस्था के प्रतिनिधियों श्री उमेश कुमार त्रिपाठी (सी.डी.एफ) सहित के मार्गदर्शन में ग्राम-भितियाश्याम के किसानों में सब्जी की खेती एवं योजना के अन्य कार्यक्रमों को करने के लिए जागरूकता पैदा हुई तथा किसानों में आत्मविश्वास की वृद्धि हुई।

मिर्चा की नर्सरी

जनपद-शाहजहांपुर में स्थित विकास क्षेत्र भावलखेड़ा है, जो कि शहर से नज़दीक का ब्लाक है। इस विकास क्षेत्र का गांव-कुरसण्डा जो कृषि हेतु अत्यन्त उपयुक्त क्षेत्र है तथा अन्य प्रकार की सुविधाओं से वंचित है। यहां के किसान कृषि के प्रति कम जागरूक है एवं मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है। भ्रमण के परिणामस्वरूप यह पता चला कि इस गांव में फलों एवं सब्जी का उत्पादन का स्तर बहुत निम्न है।

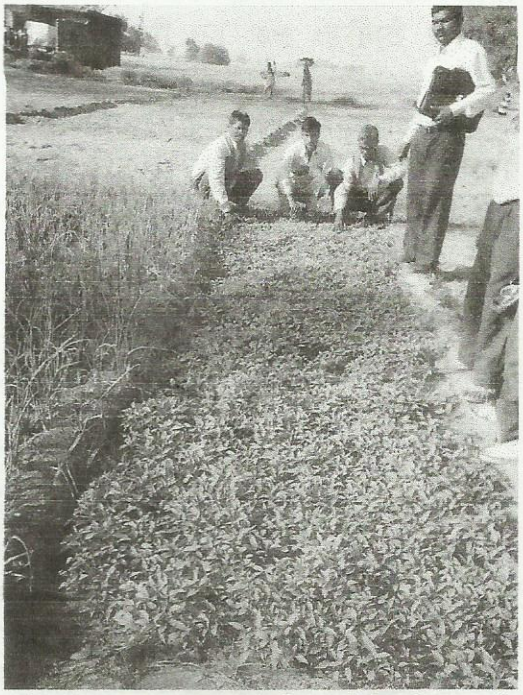

सरकार द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत जनपद-शाहजहांपुर में सामाजिक संस्था 'सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च' लखनऊ के प्रतिनिधियों के द्वारा ग्राम- कुरसण्डा में किसानों को योजना के बारे में जानकारी दी गई, तथा उद्यान विभाग से सब्जी की खेती का प्रदर्शन जायद फसल में करने के लिए किया गया। गांव के कुछ किसानों से प्रतिनिधियों के द्वारा इस विषय पर चर्चा की गई जिससे प्रेरित होकर गावं के किसान श्री कढेलप्रसाद ने मिर्चा की खेती करने का निर्णय लिया। प्रतिनिधि ने उद्यान विभाग से मिर्च के बीज, खाद एवं नर्सरी सेट प्राप्त कर श्री कढेलप्रसाद को दिया। जिसे उन्होंने अपने खेत में बतायी गयी विधि के अनुसार लगाया। इस समय उनके खेत में मिर्च की लहलहाती हुई नर्सरी तैयार है जिसे वे अपने तैयार किये गये 0.1 हे0 खेत में रोपाई करने के लिए बड़े उत्साह से परिवार के साथ लगे हुए हैं। इससे उन्हें बाज़ार से मिर्च का पौधा नहीं खरीदना पड़ रहा है। उनकी इस लगन ने गांव के अन्य किसानों को अन्य खेती जैसे भिण्डी, तोरई, मिर्चा आदि की खेती करने के लिए भी प्रेरित किया है।

कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत संस्था के प्रतिनिधियों एवं डा0एम0आई0खान (डी.पी.सी.) के मार्गदर्शन में ग्राम-कुरसण्डा के किसानों में सब्जी की खेती एवं योजना के अन्य कार्यक्रमों को करने के लिए जागरूकता पैदा हुई तथा किसानों का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया।

खीरा का सफल उत्पादन

विकास-क्षेत्र सिधौली का ग्राम-गन्धरपुर जो जनपद-शाहजहांपुर से पुवायां तहसील को जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित है। इस गावं के कृषक विशेषकर अनाज वाली फसलों की ही खेती करते है। सब्जी एवं फलों की खेती गांव में नाम मात्र होती है। जिससे गांव में रहने वाले परिवारों में खाने के लिए हरी सब्जी का पूर्णतः अभाव रहता है। गांव के किसान सब्जी एवं फल खरीदने के लिए गांव से दूर बाजार सिधौली या पुवायां जाते है जिससे उनका आवश्यक समय बर्बाद हो जाता है, और अपने खेती से उत्पादित अनाज को बेचकर सब्जी एवं फल खरीदते है।

सरकार द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत जनपद-शाहजहांपुर में सामाजिक संस्था 'सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च' लखनऊ के प्रतिनिधियों के गांव में लोगों से बार-बार सम्पर्क करने एवं सामूहिक बैठक करने से सब्जी एवं फलों के उत्पादन के प्रति जागरूकता पैदा हुई है। जिसके परिणामस्वरूप गांव

किसानों एक समूह का निर्माण किया। जिससे इस समूह के कुछ किसानों को कृषि प्रशिक्षण के लिए जनपद से बाहर भेजा गया तथा कुछ को विकास मुख्यालय एवं जिला मुख्यालय भेजा गया। जिससे उन किसानों में सब्जी एवं फलों के उत्पादन के प्रति ललक पैदा हुई। गांव के इन किसानों में से सबसे पहले श्री जान आलम ने खीरा की खेती करने पहल की।

संस्था के प्रतिनिधि ने उनकी इस पहल को बढ़ावा देते हुये जनपद-शाहजहांपुर के उद्यान विभाग से खीरा का बीज एवं खाद लेकर श्री जानआलम को उपलब्ध कराया, तथा खीरा की खेती करने की विधि को विस्तार से बताया। जिससे परिणामस्वरूप उक्त किसान ने अपने 0.1 हे0 खेत में खीरा की बुआई बताई गई विधियों से किया। इस खेती को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संस्था के प्रतिनिधि एवं विभाग के अधिकारियों श्री आर.एन.वर्मा (डी.एच.ओ.), श्री ए.आर.सिंह (डास्प एडवाइज़र), डा.एम.आई.खान (डी.पी.सी.) आदि ने अपना मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। इस समय उनके खेत में खीरा की अच्छी फसल तैयार है।

गांव के इस स्थानीय किसान श्री जानआलम से प्रेरित होकर गांव के अन्य किसानों में सब्जी एवं फल की खेती के प्रति जागरूकता पैदा हुई है, तथा वे लोग तोरई, लौकी, खीरा आदि की सफल खेती के साथ-साथ कृषि विविधीकरण परियोजना के अन्य मिलने वाले लाभ उठा रहे है।

मत्स्य पालन

जनपद-शाहजहांपुर के विकास-क्षेत्र सिधौली से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम-घूरखेड़ा जो एक अत्यन्त पिछड़ा क्षेत्र है। जहां प्राथमिक सुविधाओं का अभाव है। यहां के अधिकाश लोग कृषि से जुड़े तथा खेती एवं मजदूरी करके अपना जीवकोपार्जन कर रहे है। जनपद में कृषि विविधीकरण परियोजना के संचालन से यहां के मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने गांव के लोगों को मत्स्य पालन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उसके लाभ के बारे में बताया, तथा समय-समय पर सामाजिक संस्था 'सपोर्ट फॉर इम्प्लीमेन्टेशन एण्ड रिसर्च' लखनऊ के प्रतिनिधियों ने भी उनको मत्स्य पालन के विभिन्न पहलुओं के बारे में अवगत कराया। उनकी इस प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से प्रेरित होकर श्री राजपाल ने ग्राम घूरखेड़ा में ग्राम समाज के तालाब में मत्स्य पालन का निर्णय लिया, तथा बताई गई विधियों के अनुरूप पालन किया। जिसके परिणामस्वरूप श्री राजपाल अपने इस तालाब से 18 से 25 किलो मछली सप्ताह में दो बार निकाल रहे हैं, तथा उसको स्थनीय बाजार में बेचकर आय प्राप्त कर रहे है। उनके इस कार्य से उनके परिवार का जीवनस्तर में सुधार हुआ एवं गावं के अन्य लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए है।

कृषि विविधीकरण परियोजनान्तर्गत संस्था के प्रतिनिधियों एवं मत्स्य निरीक्षक, के मार्गदर्शन में ग्राम-घूरखेड़ा के लोगों में मत्स्य पालन एवं योजना के अन्य कार्यक्रमों को करने के लिए जागरूकता पैदा हुई तथा किसानों एव गांव के लोगों का आत्मविश्वास काफी बढ़ गया है।

सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

जनपद-शाहजहांपुर में उद्यान विभाग द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण योजनान्तर्गत 0.1 हैक्टेयर क्षेत्रफल में ***संकर मिर्च की खेती*** का प्रदर्शन करवाया गया था, जिसमें रूपया 2740/- निवेश के रूप में दिया गया।

संकर मिर्च की खेती से सफलता के बारे में श्री कल्याण पुत्र श्री उमराव ग्रा0-हुलासनगरा, विकसखण्ड- खुदागंज, जिला-शाहजहांपुर ने बताया कि मेरे पास कुल दो एकड़ भूमि है, और कोई आमदनी का साधन नहीं है, अन्य खेती के साथ-साथ सब्जियों की खेती पारम्परिक तरीके से करता था, क्योंकि मेरे पास न तो सब्जियों की खेती की अच्छी जानकारी थी और न ही पूंजी थी। समाचार पत्र के माध्यम से पता चला कि उद्यान विभाग द्वारा सब्जियों की खेती का प्रदर्शन कराया जा रहा है, मैंने विकास भवन स्थित जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में उद्यान सलाहकर श्री अवधराज सिंह से सम्पर्क किया। उन्होंने कृषि विविधीकरण परियोजना (उद्यान घटक) द्वारा सब्जी की खेती के प्रदर्शन तथा खेती की तकनीकी के बारे में बताते हुए संकर मिर्च की खेती के प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया । उनके मार्गदर्शन में मैंने परियोजना से प्राप्त जिसमें बीज, खाद, रसायन आदि संकर मिर्च की खेती की। परियोजना में तैनात बी0एल0एफ0 तथा उद्यान सलाहकार श्री सिंह द्वारा समय-समय पर मेरी फसल का निरीक्षण किया गया तथा अच्छी फसल के लिए जानकारी देते हुए 0.1 हैक्टेयर में मिर्च की खेती में नयी तकनीक अपनाने तथा विभागीय सहायता से मेरी उपज काफी बढ़ गयी। जिससे मुझे काफी लाभ हुआ और खेती की तकनीकी जानकारी से आगे की खेती करने में सहायता मिल रही है। 0.1 हैक्टेयर मिर्च की खेती से मुझे लगभग रूपया 19,000/- की आय हुयी जो पारम्परिक विधि से खेती से काफी अधिक है। इस आय से आगे खेती करने में मुझे पूंजी भी प्राप्त हुयी। मेरी तरह ही अन्य कृषक भाई भी खेती की नई तकनीकी जानकारी अपनाये तो उनका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा।

मुझे विश्वास है कि उद्यान विभाग की योजनाएं कृषकों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इस सफलता के लिए मै जिला उद्यान अधिकारी, शाहंजहापुर का विशेष अभारी हूं, जिन्होंने समय-समय पर मेरे खेती पर भ्रमण कर तकनीकी मार्ग दर्शन दिया तथा उत्साह बढ़ाया। मेरी सफलता मे उद्यान विभाग तथा परियोजना में तैनात कर्मचारी विशेष प्रशसां के पात्र है।

सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

जनपद-शाहजहांपुर में उद्यान विभाग द्वारा संचालित कृषि विविधीकरण योजनान्तर्गत 0.1 हैक्टेयर क्षेत्रफल में ***संकर टमाटर की खेती*** का प्रदर्शन करवाया गया था, जिसमें रूपया 3,100/- निवेश के रूप में दिया गया। संकर टमाटर की खेती से सफलता के बारे में श्री पुत्तू लाल पुत्र श्री उमराय, ग्रा0-गुरगवां, विकसखण्ड- तिलहर, जिला-शाहजहांपुर ने बताया कि मेरे पास कुल दो एकड़ भूमि है, और कोई आमदनी का साधन नहीं है, अन्य खेती के साथ-साथ सब्जियों की खेती पारम्परिक तरीके से करता था, क्योंकि मेरे पास न तो सब्जियों की खेती की अच्छी जानकारी थी और न ही पूंजी थी। समाचार पत्र के माध्यम से पता चला कि उद्यान विभाग द्वारा सब्जियों की खेती का प्रदर्शन कराया जा रहा है, मैंने विकास भवन स्थित जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय में उद्यान सलाहकर श्री अवधराज सिंह से सम्पर्क किया। उन्होंने कृषि विविधीकरण परियोजना (उद्यान घटक) द्वारा सब्जी की खेती के प्रदर्शन तथा खेती की तकनीकी के बारे में बताते हुए टमाटर की खेती के प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। उनके मार्गदर्शन में मैंने परियोजना से प्राप्त जिसमें बीज, खाद, रसायन आदि संकर मिर्च की खेती की। परियोजना में तैनात बी0एल0एफ0 तथा उद्यान सलाहकार श्री सिंह द्वारा समय-समय पर मेरी फसल का निरीक्षण किया गया तथा अच्छी फसल के लिए जानकारी देते हुए 0.1 हैक्टेयर में टमाटर की खेती में नयी तकनीक अपनाने तथा विभागीय सहायता से मेरी उपज काफी बढ़ गयी। जिससे मुझे काफी लाभ हुआ और खेती की तकनीकी जानकारी से आगे की खेती करने में सहायता मिल रही है। 0.1 हैक्टेयर टमाटर की खेती से मुझे लगभग रूपया 17,500/- की आय हुयी जो पारम्परिक विधि से खेती से काफी अधिक है। इस आय से आगे खेती करने में मुझे पूंजी भी प्राप्त हुयी। मेरी तरह ही अन्य कृषक भाई भी खेती की नई तकनीकी जानकारी अपनाये तो उनका जीवन स्तर ऊंचा उठेगा।

मुझे विश्वास है कि उद्यान विभाग की योजनाएं कृषकों के लिए बहुत ही लाभकारी है। इस सफलता के लिए मै जिला उद्यान अधिकारी, शाहंजहापुर का विशेष अभारी हूं, जिन्होंने समय-समय पर मेरे खेती पर भ्रमण कर तकनीकी मार्ग दर्शन दिया तथा उत्साह बढ़ाया। मेरी सफलता मे उद्यान विभाग तथा परियोजना में तैनात कर्मचारी विशेष प्रशसां के पात्र है।